भारत सरकार

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2600

(दिनांक 11.12.2024 को उत्तर के लिए)

मिशन कर्मयोगी

2600. श्री दुरई वाइको :

श्री हनुमान बेनीवाल :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मिशन कर्मयोगी ने अपने आरंभ से अब तक निर्धारित लक्ष्यों को हासिल कर लिया है और यदि हां, तो मिशन की उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या मिशन कर्मयोगी का उद्देश्य केवल सरकारी कर्मचारियों को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित करना है या उनके व्यक्तिगत और नेतृत्व कौशल को भी प्रभावी ढंग से बढ़ाया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या मिशन के लिए आवंटित बजट और संसाधनों का समुचित उपयोग किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या केन्द्र सरकार ने मिशन कर्मयोगी के लिए राज्य सरकार का सहयोग सुनिश्चित किया है; और

(ड.) यदि हां, तो क्या यह योजना राज्य स्तर पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित की जा रही है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) : जी, हां। मिशन कर्मयोगी योजना भारत में लोक सेवकों के कौशल और सक्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत है। 6 दिसंबर, 2024 तक, 49 लाख से अधिक लोक सेवक और 1,500 से अधिक पाठ्यक्रम, आईगॉट कर्मयोगी प्लेटफ़ॉर्म पर शामिल किए जा चुके हैं। इस

प्लेटफ़ॉर्म पर 2.7 करोड़ से अधिक पाठ्यक्रम नामांकन और 1.9 करोड़ से अधिक पाठ्यक्रम पूरे हुए हैं।

(ख) : मिशन कर्मयोगी का उद्देश्य, सरकारी कर्मचारियों के दृष्टिकोण, कौशल और ज्ञान को बढ़ाना है। इस मिशन का लक्ष्य प्रक्षेत्र (डोमेन), कार्यात्मक और साथ ही व्यावहारिक सक्षमताओं के संबंध में क्षमता निर्माण करना है। आईगॉट प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध पाठ्यक्रमों को इन सक्षमताओं के लिए प्रतिचित्रित (मैप) किया गया है जिनमें नेतृत्व, निर्णय लेना, संप्रेषण, सेवा प्रदायगी, नागरिक-उन्मुखता आदि शामिल हैं।

(ग) : जी, हां। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 510.86 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ इस योजना को मंजूरी दी है। वर्षवार व्यय विवरण इस प्रकार है:

2020-21-4.34 करोड़

2021-22-25.79 करोड़

2022-23-55.69 करोड़

2023-24-86.19 करोड़

2024-25-50.95 करोड़ (30.11.2024 तक)

(घ) : हालाँकि मिशन कर्मयोगी, केंद्र सरकार की एक परियोजना है, लेकिन इस क्षमता निर्माण पारितंत्र में राज्य प्रमुख हितधारक हैं। क्षमता निर्माण आयोग, एसपीवी-कर्मयोगी भारत और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की सरकारों द्वारा पूर्ण उपयोग और सहयोग के लिए एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले ही राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों (एटीआई) को आईगॉट व्यवस्था (सेटअप) में शामिल किया जा रहा है।

(ङ.) : दिनांक 06.12.2024 तक:

- 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- 26 (33 में से) एटीआई, आईगॉट पोर्टल पर हैं।
- आईगॉट में सभी 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के उपयोगकर्ता शामिल हैं। 49 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं में से 10.4 लाख से अधिक उपयोगकर्ता, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की सरकारों से हैं।

*****